Page No:

नाटक	एकांकी
(1) नाटक मे अनेक अंक होते है।	(1). एकांकी मे एक ही अंक होता है।
(2) नाटक के आधिकारिक साथ गौण एवं कथाएं है।	(2). एकांकी मे एक ही घटना घटती रहती है।
(3) कथानक की विकास प्रक्रिया धीमी रहती है।	(3). कथानक आरंभ से ही चरम लक्ष्य की ओर द्रुत गति से बढ़ता है।
(4) नाटक के कथानक में फैलाव और विस्तार रहता है।	(4). एकांकी में कथानक घनत्व होता है।

रेखाचित्र	संस्मरण
(1). रेखाचित्र संस्मरण से मिलती-जुलती विधा है।	(1). संस्मरण रेखाचित्र से मिलती-जुलती है।
(2). रेखाचित्र मे चित्र खंडित और अधूरा रह सकता है।	(2). संस्मरण मे चित्र शैली का प्रयोग किया जाता है।
(3). रेखाचित्र मे संस्मरणात्मक कला विकसित की जाती है।	(3). संस्मरण मे यह कला विकसित नही की जाती है।
(4). रेखाचित्र प्रसिद्ध व्यक्ति हेतु नही लिखा जाता।	(4). संस्मरण प्रसिद्ध व्यकित के लिए लिखा जाता है।
(5). महादेवी वर्मा।	(5). श्री राम शर्मा।

Scanned with CamScanner

रहस्यवाद	छायावाद
(1). रहस्यवाद मे परमसत्ता का वर्णन होता है।	(1). छायावाद मे प्रकृति का वर्णन होता है।
(2). इसका संबंध प्रेम और समर्पण से होता है।	(2). इसका संबंध करुणा और वासनाओं से होता है।
(3). इसमे आशा और आनंद की अनुभूति होती है।	(3). इसमे करुणा और वेदना की अनुभूति होती है।
(4). इसमे कल्पना की प्रधानता है।	(4). इसमें चिंतन की प्रधानता है.

स्थायी भाव	संचारी भाव
(1). स्थायी भाव शीघ्र नष्ट नही होता है।	(1). संचारी भाव शीघ्र नष्ट हो जाता है।
(2). स्थायी भाव निश्चित होता है।	(2). संचारी भाव निश्चित नही होता है।
(3). इनकी संख्या 10 होती है।	(3). इनकी संख्या 33 होती है।
(4). एक रस मे एक स्थायी भाव होता है।	(4). एक रस मे कई संचारी भाव होते है।
(5). ये स्थायी रहते है।	(5). ये स्थायी नही रहते है।
(6). ये संचारी भाव के अंग नही है।	(6). ये संचारी भाव के अंग है।

Scanned with CamScanner

Date:

Page No:

संदेह अलंकार	भ्रांतिमान अलंकार
1. संदेह अलंकार मे उपमेय में उपमान का संदेह रहता है।	1. भ्रांतिमान अलंकार मे उपमेय का ज्ञान नही होता है।
2. संदेह मे निरंतर संदेह बना ही रहता है कि है या नही।	2. जबकि भ्रांतिमान मे भ्रम अंतत: प्रतित बन जाता है।
3. संदेह मे अनिश्चय होता है।	3. भ्रांतिमान मे निश्चित होता है।
4. यह रस्सी है या साप	4. यह रस्सी नही साप है
5. इसमे संदेह वाचक शब्द होता है।	5. इसमे भ्रमवाचक शब्द होता है।

भाषा	बोली
1. भाषा का क्षेत्र व्यापक होता है।	1. बोली का क्षेत्र सीमित होता है।
2. भाषा का व्याकरण होता है।	2. बोली का व्याकरण नही होता है।
3. भाषा मे साहित्य रचना की जाती है।	3. बोली मे साहित्य की रचना लगभग नही की जाती है।
4. भाषा बोली का पूर्व विकसित रूप है।	4. बोली भाषा का एक प्रारम्भिक रूप है।
5. भाषा में संविधान की मान्यता प्राप्त होती है।	5. बोली में संविधान की मात्रा प्राप्त नही होती है।
6. भाषा का प्रयोग सरकारी काम काजो मे किया जाता है।	6. बोली का प्रयोग सरकारी कामकाजो मे नही किया जाता है।

Scanned with CamScanner

संधि	समास
1. संधि मे दो वर्णों का योग होता है।	1. समास मे दो पदो का योग होता है।
2. संधि मे दो वर्णों का मेल और विकार होता है।	2. समास मे पदों शब्दों के प्रत्यय का लोप हो जाता है।
3. संधि को तोड़ना विच्छेद कहलाता है।	3. समास को तोड़ना विग्रह कहलाता है।

संचारी भाव	स्थायी भाव
1. इनकी संख्या 33 है।	1. इनकी संख्या 10 है।
2. एक रस कई संचारी भाव होते है।	2. एक रस का एक ही स्थाई भाव होती है।
3. ये भाव आते जाते है।	3. ये भाव संचारी संचरित नहीं होते है।

छायावाद	रहस्यवाद
1. इसमे कल्पना की प्रधानता है।	1. इसमे चिंतन की प्रधानता है।
2. भावना की प्रधानता।	2. ज्ञान व बुद्धितत्व की प्रधानता है।
3. यह प्रकृति मूलक है।	3. इसकी प्रकृति दार्शनिक है।

Scanned with CamScanner

Date
Page No

प्रयोगवाद

1. यह पलायन का काव्य है।
2. यह व्यक्ति का काव्य है।
3. इसमें रस, छंद एवं अलंकार का प्रयोग होता है।

प्रगतिवाद

1. यह विद्रोह का काव्य है।
2. यह समाज का काव्य है।
3. इसमें रस छंद एवं अलंकार का प्रयोग नहीं होता है।

Scanned with CamScanner

Date:
Page No:

महाकाव्य

1. महाकाव्य मे आठ या इससे अधिक सर्ग होते है
2. महाकाव्य का नायक धीरोदात्त गुणों से युक्त होता है।
3. इसमे शांत वीर अथवा श्रृंगार रस में से किसी एक की प्रधानता होती है।
4. महाकाव्य में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है।
5. इसमें अनेक छंदों का प्रयोग होता है।

खंडकाव्य

1. खंडकाव्य में मानव के किसी एक पक्ष का चित्रण होता है।
2. इसमे एक ही छंद का प्रयोग होता है।
3. कथावस्तु पौराणिक या ऐतिहासिक विषयों पर आधारित होती है।
4. श्रृंगार व करुण रस प्रधान होता है।
5. इसका उद्देश्य महान होता है।

Scanned with CamScanner

Date
Page No:

जीवनी

1. किसी दूसरे के द्वारा लीखा हुआ वर्णन जीवनी कहलाता है।
2. जीवनी मे व्यक्ति दूसरे का वर्णन करता है।
3. जीवनी वर्णात्मक शैली मे लिखी जाती है।
4. जीवनी मे पूरी ईमानदारी के साथ आत्मचित्रण होता है जो पढ़ना सरल होता है।
5.

आत्मकथा

1. अपने जीवन की घटनाओं का स्वयं लिखना आत्मकथा कहलाता है।
2. आत्मकथा मे व्यक्ति अपने स्वयं का वर्णन करता है।
3. आमत्कथा कथानात्मक शैली मे लिखी जाती है।
4. आत्मकथा में पूरी ईमानदारी के साथ आत्मचित्रण होता है।
5.

उपन्यास

1. इसका आकार बड़ा होता है।
2. इसमें अनेक उद्देश्य होते है।
3. यह एक उपवन है।
4. इसके प्रवाह की तीव्रता कम रहती है।

कहानी

1. इसका आकार छोटा होता है।
2. इसमें एक निश्चित उद्देश्य होता है।
3. यह एक उपवन के फूलो का गुलदस्ता है।
4. इसके प्रवाह की तीव्रता अधिक रहती है।

narzo shot by 🔥 🔥

Scanned with CamScanner